IORA 25वीं मंत्रिस्तरीय बैठक: दिल्ली कम्युनिके 2026 और महासागर विज़न

PCSMANTRA टीम | करेंट अफेयर्स | 28 नवंबर 2026

क्यों चर्चा में? 27 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) की 25वीं मंत्रिस्तरीय परिषद (Council of Ministers) की बैठक हुई, जिसमें सदस्य देशों ने "दिल्ली कम्युनिके 2026" अपनाया। भारत इस समय IORA का अध्यक्ष है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि हिंद महासागर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, संपर्क और आर्थिक समृद्धि का केंद्र है, और इसके लिए सदस्य देशों के बीच "अधिक समन्वय" तथा संवाद-साझेदारों के साथ "सार्थक सहयोग" ज़रूरी है। भारत ने 5 लाख अमेरिकी डॉलर के अनुदान और दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की घोषणा की, जिन्हें परिषद ने स्वीकार कर लिया।

पृष्ठभूमि

IORA हिंद महासागर के तटवर्ती देशों का क्षेत्रीय संगठन है, जिसमें 23 देश सदस्य हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, तंज़ानिया, मोज़ाम्बिक, सोमालिया, ओमान, यमन, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं। इसका सचिवालय मॉरीशस (साइबर सिटी, एबेने) में है और निर्णय सहमति से लिए जाते हैं। भारत की अध्यक्षता का विषय "हिंद महासागर क्षेत्र में नवाचार, खुलापन, लचीलापन और अनुकूलनशीलता" (Innovation, Openness, Resilience and Adaptability) है। भारत की नीति "SAGAR" (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास, 2015) से आगे बढ़कर "महासागर" (MAHASAGAR: Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions) विज़न पर आधारित है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने मार्च 2025 में मॉरीशस यात्रा के दौरान की थी। यह बैठक ऐसे समय हुई जब 25 नवंबर को माले में कोलंबो सुरक्षा संवाद की बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हिंद महासागर की "गंभीर सुरक्षा चुनौतियाँ" उठाई थीं। बैठक में 23 सदस्य देशों के मंत्री और 12 संवाद-साझेदारों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्य बिंदु

- **दिल्ली कम्युनिके 2026:** सदस्यों ने हिंद महासागर को "शांति, स्थिरता और समृद्धि का क्षेत्र" बनाए रखने तथा समुद्र के अंतर्राष्ट्रीय कानून सहित लागू अंतर्राष्ट्रीय विधि को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, निर्बाध वाणिज्य, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और समुद्र के अन्य विधिपूर्ण उपयोग शामिल हैं।
- **सुरक्षा पर चिंता:** कम्युनिके में बिना किसी पक्ष का नाम लिए कहा गया कि जहाज़ों और नाविकों की समुद्री सुरक्षा को कमज़ोर किया जाना चिंता का विषय है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।
- **भारत का अनुदान:** भारत ने IORA की संस्थागत और वित्तीय क्षमता-निर्माण के लिए 5,00,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान घोषित किया।
- **दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस:** परिषद ने भारत के दो प्रस्ताव स्वीकार किए: "IORA डिजिटल इनोवेशन हब" (समुद्र विज्ञान पर केंद्रित) CSIR-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (NIO), गोवा में, और "IORA सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मैरीटाइम लॉ" राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU), गुज़रात में।
- **जयशंकर का रुख़:** भू-राजनीतिक बदलावों के दौर में IORA को अपनी "सामूहिक आवाज़" बढ़ानी होगी और क्षेत्रीय मंच की भूमिका मज़बूत करनी होगी; आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध-अघोषित-अनियमित मत्स्यन (IUU), जलवायु घटनाओं और आपदाओं से निपटने के लिए सदस्यों को अधिक आत्मनिर्भर और सहयोग-इच्छुक होना होगा; जहाज़ों व नाविकों पर हमले "स्वीकार्य नहीं" और इनका वैश्विक उत्तर ज़रूरी है।

- **अन्य भागीदार:** अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नौवहन की स्वतंत्रता तथा समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा, अवसंरचना और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रियों ने IORA के आगामी कार्ययोजना 2028-2032 पर भी विचार किया।
- **संबंधित पृष्ठभूमि:** पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण हिंद महासागर क्षेत्र में जहाज़ों पर हमलों की घटनाएँ बढ़ी हैं, जिनका असर ऊर्जा-आपूर्ति और माल-ढुलाई पर पड़ा है।

महत्व और चुनौतियाँ

महत्व: हिंद महासागर से होकर दुनिया के व्यापार का बड़ा हिस्सा गुज़रता है और भारत की ऊर्जा-आयात की बड़ी निर्भरता इसी मार्ग पर है, इसलिए IORA जैसा मंच भारत को तटवर्ती देशों के साथ नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन जुटाने का अवसर देता है। दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भारत की ज्ञान-आधारित नेतृत्व की छवि बनाते हैं और क्षमता-निर्माण को संस्थागत रूप देते हैं, जो कोलंबो सुरक्षा संवाद जैसे सुरक्षा-मंचों के पूरक हैं। **चुनौतियाँ:** IORA सलाहकारी मंच है, इसकी कोई बाध्यकारी शक्ति नहीं, इसलिए सामूहिक सुरक्षा की घोषणाएँ व्यवहार में कमज़ोर पड़ सकती हैं। सदस्यों के हित अलग-अलग हैं: कुछ देशों के चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक संबंध हैं, तो कुछ की प्राथमिकता मत्स्यन या पर्यटन है। समुद्री सुरक्षा की असली ज़िम्मेदारी नौसेनाओं और तटरक्षक बलों पर है, जहाँ क्षमता असमान है। ऊर्जा-मूल्यों का उतार-चढ़ाव और मार्गों पर हमले सदस्य अर्थव्यवस्थाओं को सीधे प्रभावित करते हैं, जिनका सामूहिक उत्तर अभी विकसित हो रहा है।

परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य

बिंदु	तथ्य
बैठक	IORA 25वीं मंत्रिस्तरीय परिषद, नई दिल्ली, 27 नवंबर 2026
दस्तावेज़	दिल्ली कम्युनिके 2026
सदस्य	23 देश; 12 संवाद-साझेदार भी उपस्थित
भारत की घोषणा	5,00,000 डॉलर अनुदान + 2 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
सेंटर	डिजिटल इनोवेशन हब (CSIR-NIO, गोवा); मैरीटाइम लॉ (RRU, गुज़रात)
भारत का विज़न	SAGAR (2015) से आगे महासागर (MAHASAGAR, मार्च 2025)
सचिवालय	मॉरीशस (एबेने)
अध्यक्षता का विषय	नवाचार, खुलापन, लचीलापन और अनुकूलनशीलता

अभ्यास प्रश्न (प्रिलिम्स)

प्रश्न: IORA के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. IORA हिंद महासागर के तटवर्ती देशों का क्षेत्रीय संगठन है और भारत इसका वर्तमान अध्यक्ष है। 2. दिल्ली कम्युनिके 2026 में नौवहन की स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता दोहराई गई। 3. IORA का सचिवालय माले में है।

कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: IORA में 23 सदस्य हैं और भारत वर्तमान में इसका अध्यक्ष है।

कथन 2 सही है: कम्युनिके में नौवहन व उड़ान की स्वतंत्रता, निर्बाध वाणिज्य और शांतिपूर्ण समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

कथन 3 ग़लत है: IORA का सचिवालय मॉरीशस (साइबर सिटी, एबेने) में है, माले में नहीं।

मेंस प्रश्न (GS-II, 15 अंक)

"हिंद महासागर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार का प्रवेश-द्वार है; इसे केवल सुरक्षा-चिंता नहीं, सहयोग का क्षेत्र बनाना होगा।" IORA की हालिया बैठक के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में:

25वीं मंत्रिस्तरीय बैठक (नई दिल्ली, 27 नवंबर 2026) और दिल्ली कम्युनिके 2026 का संक्षिप्त परिचय दें।

मुख्य भाग में:

भारत के लिए हिंद महासागर के महत्व (व्यापार, ऊर्जा-आयात, संपर्क) पर बैठक के निष्कर्ष जोड़ें: अनुदान, दो सेंटर, सुरक्षा-चिंता, MAHASAGAR विज़न; साथ ही IORA की संरचनात्मक सीमाएँ (सलाहकारी मंच, सदस्यों के भिन्न हित) भी रखें।

निष्कर्ष में:

क्षमता-निर्माण और नियम-आधारित व्यवस्था के माध्यम से क्षेत्रीय नेतृत्व का मार्ग सुझाएँ।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: SAGAR और महासागर विज़न में क्या अंतर है?

उत्तर: SAGAR (Security and Growth for All in the Region) वर्ष 2015 की धारणा है। महासागर (MAHASAGAR: Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions) इसका विस्तार है, जिसमें सुरक्षा के साथ व्यापार, संपर्क और जलवायु सहयोग भी शामिल है।

प्रश्न 2: क्या IORA के निर्णय बाध्यकारी होते हैं?

उत्तर: नहीं। यह सलाहकारी क्षेत्रीय मंच है; निर्णय सहमति से लिए जाते हैं और सदस्य देशों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते।

स्रोत

- The Indian Express: Indian Ocean key to global trade, energy, need greater coordination: Jaishankar (27 नवंबर 2026)
- IANS: IORA endorses two India-proposed Centres of Excellence (27 नवंबर 2026)
- IORA: 29वीं CSO और 25वीं COM बैठकें, नई दिल्ली

यह लेख PCS Mantra की संपादकीय टीम ने उपर्युक्त स्रोतों के आधार पर अपने शब्दों में लिखा है। परीक्षा से पहले आधिकारिक अधिसूचनाएँ ज़रूर जाँच लें। कवर इमेज प्रतीकात्मक है। © pcsmantra.in